# शिक्षक एवं सेवानिवृत्त गौरव सम्मान समारोह में माननीय अध्यक्ष का भाषण

आज मैं उन सब कर्मयोगियों को प्रणाम करता हूँ, जिन्होंने अपनी सेवा के माध्यम से प्रदेश और देश के नवनिर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आज शिक्षक दिवस है। इस अवसर पर मैं उन सभी शिक्षकों के प्रति आभार प्रकट करता हूँ, उनका अभिनंदन करता हूँ जिन्होंने समर्पित जीवन जीकर अपनी तपस्या से इस प्रदेश और देश के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

यहां पर जो लोग बैठे हैं, वे सब राज्य और केंद्र सरकार के कर्मचारी हैं, जिन्होंने अपनी जिंदगी प्रदेश और देश के निर्माण में लगाई है, जिन्होंने अपने कठिन परिश्रम, मेहनत और नई सोच और चिन्तन से, विचार से इस देश को 75 साल की यात्रा में विकास के पथ पर पहुंचाने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आज हम सब आपके तप, तपस्या, समर्पण व सेवाओं को नमन करने आए हैं।

समर्पित सेवाओं के कारण ही आज भारत निरंतर प्रगति की ओर बढ़ रहा है। आप सभी अटल संकल्प और समर्पित सेवा के जीवंत प्रतीक हैं। आप सभी अटल संकल्प और समर्पित सेवा के जीवंत प्रतीक हैं। आज यदि हमारा देश विश्व के सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाला देश बना है तो यह आपके कारण ही संभव हुआ है।

अपने ज्ञान ,अपने अनुभव ,अपने नए विचारों और नवाचारों से आपने देश के युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है। आपने उनके अंदर यह भावना स्थापित की है कि वे विश्व में किसी से पीछे नहीं हैं।

आज सम्पूर्ण विश्व हमारे युवाओं की नई सोच ,उनकी क्षमता ,उनके इनोवेशन का लाभ उठा रहा है। रोड ट्रांसपोर्ट, आईटी सेक्टर से लेकर अंतरिक्ष तक की यात्रा में हम विश्व में अपनी योग्यता को साबित कर रहे हैं।

आप किसी भी सेक्टर में देखें ,हमारे युवा अपनी योग्यता और प्रतिभा के बल पर देश को सबसे आगे ले जाने में सक्षम हैं। यदि आप आज की स्थिति की तुलना एक दशक पूर्व से करें तो आप यह पाएंगे कि इन वर्षों में हमने कितना विकास किया है।

आपने अलग अलग मंत्रालयों और विभागों में अपनी उत्कृष्ट सेवाएं दी हैं और यह आपकी उसी संकल्प शक्ति का परिणाम है। आपकी समर्पित सेवा से ही यह संभव हुआ है।

पहले देश आत्मनिर्भर नहीं था।

आप याद करें कि आज से कुछ वर्ष पहले तक भारत पावर सेक्टर में आत्मनिर्भर नहीं था। देश के विभिन्न राज्यों में बिजली की कमी थी।

हमारी सड़कों और हमारे  राजमार्गों की स्थिति अत्यंत खराब थी। यातायात के विभिन्न साधनों का यथोचित विकास नहीं हुआ था। चाहे एयर ट्रांसपोर्ट हो, या जल मार्ग हो, शिपिंग हो, फ्रेट हो, सभी क्षेत्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर की हालत खराब थी।

चिकित्सा के क्षेत्र में आवश्यक सुविधाओं का अभाव था।

चिकित्सा के क्षेत्र में आवश्यक सुविधाओं का अभाव था। और यही कारण है कि जब कोविड महामारी का आरंभ हुआ था तो पूरा विश्व भारत को लेकर चिंतित था कि हम इस महामारी का मुकाबला कैसे कर पाएंगे।

लेकिन आज पूरे देश में आशा, उत्साह और ऊर्जा की एक नई लहर है। पूरा विश्व हमारी ओर समस्याओं के लिए नहीं बल्कि उनके समाधान के लिए देख रहा है।

स्पेस टेक्नॉलजी हो ,डिफेन्स टेक्नॉलजी हो ,फिनटेक हो ,स्टार्ट अप हो ,सभी क्षेत्रों में हम विश्व में अग्रणी स्थान पर हैं। आज मोबाईल फोन से लेकर स्पेस शिप तक का निर्माण भारत में हो रहा है।

आज हम देख रहे हैं कि भारत माननीय प्रधान मंत्री जी के कुशल नेतृत्व में प्रगति के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

आपने अपने काम से, अपने समर्पण से देश की संभावनाओं को साकार किया है।

आज पूरा विश्व भारत की संभावनाओं को लेकर उत्साहित है। यह इसलिए संभव हुआ है कि आपने अपने काम से ,अपने समर्पण से देश की संभावनाओं को साकार किया है। आज की पीढ़ी, आज के युवा भविष्य को लेकर आशंकित नहीं हैं बल्कि आकांक्षी हैं।

टेलीकॉम के क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर बेहतर हुआ है। कॉल ड्रॉप ,डाटा नेटवर्क इत्यादि क्षेत्रों में बहुत सुधार हुआ है। इसी प्रकार प्रतिरक्षा के क्षेत्र में  ऊर्जा के क्षेत्र में, कृषि के क्षेत्र में, उद्योग में हमारी स्थिति बहुत बेहतर हुई है।

दुनिया की किसी भी सेक्टर की जितनी भी बड़ी कंपनियां है,  उसको हमारे युवा नेतृत्व दे रहे हैं।

आज आप विश्व में कहीं भी चले जाएं ,आप देखेंगे कि दुनिया की जितनी भी बड़ी कंपनियां हैं, चाहे वे किसी भी सेक्टर में हो, उसको हमारे युवा नेतृत्व दे रहे हैं। आज विश्व में हमारे युवाओं की क्षमता को, उनके स्किल को मान्यता मिल रही है।

कोविड महामारी के दौरान हमने सिर्फ अपने लोगों को ही नहीं बचाया बल्कि पूरे विश्व को वैक्सीन दिए, मेडिकल किट की आपूर्ति की।

आपने शिक्षक के रूप में हमारे युवाओं के चरित्र, क्षमता और  उनके आत्मविश्वास को निर्मित किया है।

यह आपके कारण ही संभव हुआ है। आपने शिक्षक के रूप में अपने युवाओं के चरित्र को ही नहीं गढ़ा है, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी निर्मित किया है, उनकी क्षमता को, उनके

संकल्प को निर्मित किया है। उनकी ऊर्जा को सही मार्ग दिखाया है। आपने जिस भी मंत्रालय में काम किया है, उस मंत्रालय के माध्यम से देश और प्रदेश के सरकार की सेवा की है, उसके माध्यम से आपने देश और प्रदेश को आगे बढ़ाने का काम किया है।

अपने कार्यों से, अपनी कार्य निष्ठा से, अपने समर्पण से, नि:स्वार्थ सेवा से, आपने युवाओं को, नई पीढ़ी को नया मार्ग दिखाया है।

मुझे आशा है कि आपकी इन्हीं सेवा और समर्पण की भावना से हमारी नई पीढ़ी भी प्रेरणा लेगी और विकसित भारत बनाने के हमारे सपनों को पूरा करेगी।

हमारे शिक्षकों के त्याग और बलिदान के कारण हमारा नौजवान चिंतनशील है।

आज मैं देख रहा हूँ कि देश में हमारा नौजवान शिक्षित है, प्रतिभावान है, तकनीक से युक्त है, चिंतनशील है, नवाचार कर रहा है, वह सब हमारे शिक्षकों के त्याग और बलिदान के कारण हुआ है।

हर वह व्यक्ति शिक्षक है, जिसने अपने काम से अपने विभाग को एक नई दिशा दी है, लोगों को प्रेरणा दी है।

और जब मैं शिक्षक की बात करता हूँ, तो मात्र उनकी बात नहीं कर रहा जिन्होंने स्कूलों में, कॉलेजों में एक शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं।

हर वह व्यक्ति शिक्षक है, जिसने अपने काम से अपने विभाग को एक नई दिशा दी है, लोगों को प्रेरणा दी है।

आपने देश और प्रदेश में अलग अलग सेवाओं में रहते हुए जैसे बिजली, डाक तार, टेलीफोन, शिक्षा, चिकित्सा विभाग, सड़क निर्माण, दूरसंचार, विज्ञान और तकनीकी विभाग इत्यादि में रहते हुए पूरे मनोयोग से अपनी सेवाएं प्रदान की हैं। आप सभी ने बीते वर्षों में अपने अपने

विभागों की सेवाओं की बेहतरी के लिए पूरी निष्ठा, समर्पण और क्षमता के साथ सेवाएं प्रदान की हैं।

आपने समझा है कि सरकार जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए है, जनता की सेवा के लिए है।

पब्लिक सर्वेन्टस के तौर पर आपने समझा है कि सरकार जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए है, जनता की सेवा के लिए है। और आपने इसी भावना से अपना काम किया है।

आप सभी ने अपने जीवन में समर्पण, सेवा और त्याग करते हुए राष्ट्र के निर्माण का पुनीत कार्य किया है।

आप सभी ने अपने जीवन में समर्पण, सेवा और त्याग करते हुए राष्ट्र के निर्माण का पुनीत कार्य किया है। आज शिक्षक दिवस है। एक प्रकार से आप सभी शिक्षक की भूमिका में है और आपका सम्मान करने के लिए हम यहां आए हैं।

निश्चय ही आप अपने अनुभव, अपने ज्ञान का लाभ इस देश को देंगे।

निश्चय ही आप अपने अनुभव, अपने ज्ञान का लाभ इस देश को देंगे। नई पीढ़ी को देंगे और आपके ज्ञान, अनुभव और चिंतन का लाभ नई पीढ़ी के साथ साथ प्रदेश और देश को मिलेगा।

युवाशक्ति हमारे भारत के विकास के आधार स्तम्भ हैं। आप सबने देखा है, आज भारत का सम्मान बढ़ा है, गौरव बढ़ा है। इसका कारण है कि भारत की क्षमता बढ़ी है, भारत के युवाओं पर विश्व का भरोसा बढ़ा है।

आज हमारे युवाओं के लिए धरती से लेकर स्पेस तक, सेमी-कंडक्टर से लेकर ए आई तक, तमाम फील्ड्स में नए अवसर पैदा हो रहे हैं।

यह इसीलिए संभव हुआ है कि एक ओर तो एक शिक्षक के रूप में आपने हमारे युवाओं को आगे बढ़ने का मार्ग दिखाया है और दूसरी ओर एक प्रशासक के रूप में आपने जो निर्णय लिए हैं उससे युवाओं की प्रतिभा का उपयोग हुआ है।

आपका गहरा ज्ञान और व्यापक अनुभव इस अमृत काल में हमारी नई पीढियों के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन का काम करेगा। अमृत काल के इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर हमारी नई पीढियों के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन का काम करेगा। उनमें नई ऊर्जा और उत्साह भरेगा।

जब देश वर्ष 2047 में अपनी आजादी की 100वीं वर्षगांठ मना रहा होगा, तब निश्चय ही हम इसी युवाशक्ति के बल पर और आप सभी के मार्गदर्शन से हम एक श्रेष्ठ और विकसित भारत के रूप में विश्व के  पटल पर खड़े होंगे।

जीवन के इस नए मुकाम पर आप सभी ने अपने लिए एक नया संकल्प लिया होगा और मुझे विश्वास है कि उसे सिद्ध करने की दिशा में आप आगे बढ़ेंगे।

संकल्प से सिद्धि का यह नया मार्ग आपके जीवन को एक नया रूप देगा, उसे गति और प्रगति देगा।

आप स्वस्थ और सानंद रहें। आपके संकल्प सिद्ध हों। आप सभी को शिक्षक दिवस की शुभकामनाओं के साथ थ जन्माष्टमी की हार्दिक बधाई।

भगवान माधव आपका और आपके परिजनों का कल्याण करें।

---